

**8.** Write Critical notes on any **two** of the following.

निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** पर आलोचनात्मक टिप्पणी लिखिए।

(a) Independance of Judiciary

न्यायपालिका की स्वतंत्रता

(b) Public Interest litigation

लोकहित वाद

(c) Constitutionalism

संविधान वाद

**LL.M. (One Year) (Semester II)  
Examination, 2014-15**

**Law**

**(Compulsory Paper)**

**Paper : Comparative Law**

**Time : Three Hours**

**Full Marks : 100**

*(Write your Roll No. at the top immediately on the receipt of this question paper)*

**Note:** Attempt any **four** question. **All** question carry equal marks.

किन्हीं **चार** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। प्रत्येक प्रश्नों के अंक समान हैं।

**1.** "Comparative law has been hobly of yesterday but it is destined to become the science of tomorrow. We must welcome rather than fear its influence." In the light of the above statement discuss the nature, scope and significance of comparative law.

“तुलनात्मक विधि अतीत में शौक रहा है किन्तु भविष्य का विज्ञान होगा। अतः इसके प्रभावों से भयभीत होने की अपेक्षा इसका स्वागत करना चाहिए।” उपरोक्त कथन के आलोक में तुलनात्मक विधि के प्रकृति, विषय क्षेत्र एवं महत्व की विवेचना कीजिए।

2. Critically analyse the distinctions between the common Law system and the civil law system. Highlight some of the features found in the Indian Legal system which are traditionally associated with the civil Law systems.

कामन लॉ पद्धति तथा सिविल लॉ पद्धति के बीच अन्तर का आलोचनात्मक विश्लेषण कीजिए। सिविल लॉ सिस्टम से परम्परागत रूप से सहयुक्त भारतीय विधिक व्यवस्था की कतिपय विशिष्टताओं पर प्रकाश डालिए।

3. " Constitution of India is neither purely federal nor unitary. It enshrines the principle that inspect of federalism, national interest is paramount. Infact it rejects the concept of competitive federalism and is based on the spirit of co operative federalism". Comment.

“भारत का संविधान न तो विशुद्ध संघात्मक है न ही एकात्मक। यह इस सिद्धान्त को प्रतिस्थापित करता है कि संघात्मक होने के बावजूद भी देशहित सर्वोपरि है। वस्तुतः यह प्रतिस्पर्धात्मक संघवाद की अवधारणा को अस्वीकार करता है तथा सहयोगकारी संघवाद की विचारधारा पर आधारित है।” टिप्पणी कीजिए।

4. Montague has said," If legislature and executive are some person or body of persons, there would be a danger of the legislative enacting oppressive laces which the executive will administer to attain for its own ends." In the light of this statement discuss the doctrine of separation of Power in India and compare it with that of the United States.

माण्टेस्क्यू न कहा है, “यदि विधायी एवं कार्यपालिकीय शक्तियां एक व्यक्ति या व्यक्तियों के समूह में निहित हों तो खतरा उत्पन्न हो जाएगा कि विधायिका उत्पीड़क कानून बनाएगी और कार्यपालिका अपने हितों को पूरा करने के लिए उसे लागू करेगी।” इस कथन के आलोक में भारत में शक्ति प्रथककरण के सिद्धान्त की व्याख्या कीजिए तथा संयुक्त राज्य अमेरिका से तुलना कीजिए।

5. Explain the 'Rule of Law'. How far it is applicable in India in present scenario ? Discuss.

‘विधि शासन’ की व्याख्या कीजिए। वर्तमान परिदृश्य में भारत में यह किस सीमा तक प्रयोग किया जा रहा है ? विवेचना कीजिये।

6. Write an essay on growth and development of concept of Judicial review from Marbury V. Modision case to the present time.

मॉरबरी ब मेडिसन के वाद से वर्तमान तक न्यायिक पुर्नर्विलोकन के अवधारणा के उद्भव एवं विकास पर एक लेख लिखिए।

7. What do you mean by judicial creativity ? Is there any difference between judicial creativity and judicial activism ? Discuss.

न्यायिक सृजनात्मकता से आप क्या समझते हैं ? क्या न्यायिक सृजनात्मकता एवं न्यायिक सक्रियता में कोई अन्तर है ? विवेचना कीजिए।

Printed Pages : 7

Roll No.....

**L/Sem II/161**

**LL.M. (One Year) (Semester II)  
Examination, 2014-15**

**Law**

**(Optional Papers : 5. Criminal Law Group)**

**Paper : International Criminal Law**

**Time : Three Hours**

**Full Marks : 100**

*(Write your Roll No. at the top immediately on the  
receipt of this question paper)*

**Note:** Answer any **four** question. **All** question  
carry equal marks.

किन्हीं **चार** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। **सभी** प्रश्नों के  
अंक समान हैं।

1. "It is said that International Criminal Law is the part of Public International Law that deals with the criminal responsibility of individuals for international crimes. There is no generally accepted definition of international crimes because international criminal law finds its origin in both international law and criminal law and closely relates to other areas of international law".

P.T.O.

In the light of above statement elaborate concept of international crime.

“यह कहा जाता है कि अन्तराष्ट्रीय आपराधिक विधि सार्वजनिक अन्तराष्ट्रीय विधि का एक भाग है जो अन्तराष्ट्रीय अपराधों के लिए व्यक्तियों के आपराधिक उत्तरदायित्व से सरोकार रखती है। अन्तराष्ट्रीय अपराधों की सामान्य स्वीकृत परिभाषा नहीं है क्योंकि अन्तराष्ट्रीय आपराधिक विधि और आपराधिक विधि दोनों से है तथा यह अन्तराष्ट्रीय विधि के अन्य क्षेत्रों से बहुत अधिक संबंधित है।”

उपरोक्त कथन के आलोक में अन्तराष्ट्रीय अपराध की संकल्पना का विशदीकरण कीजिए।

- 2.** The discussion on defenses in war crimes law was for many years solely concerned with the defence of superior orders, but in recent years, it has expanded to include other grounds for excluding criminal responsibility as well".

In the light of above statement, discuss various defences available under International Criminal Law.

- 8.** Write critical notes on any **two** of the following.

निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** पर आलोचनात्मक टिप्पणी लिखिए।

- (a) Territoriality principle of jurisdictions of ICC  
आई०सी०सी० के क्षेत्राधिकार का प्रादेशिकता का सिद्धान्त
- (b) Crime against humanity  
मानवता के विरुद्ध अपराध
- (c) Aggression  
आक्रमण

humankind's most egregious crimes, the I.C.C. that what we currently understand, is its result". Comment and describe its jurisdictions and admissibility of cases.

“अन्तर्राष्ट्रीय आपराधिक न्यायालय की संकल्पना, संभवतः इतिहास की किसी अन्य कालावधि की आपेक्षा, उन्नीसवीं शताब्दी के अन्तिम समय के किन्हीं नेतृत्व में चिन्हित होती है। मानव जाति के विरुद्ध सर्वाधिक उद्वेगकारी अपराधों के विरुद्ध न्याय प्राप्ति के लिए उत्तरदायी साधनों का निर्माण, विगत 20 वर्षों की महत्वपूर्ण प्रगति में दिखलायी पड़ा है, अन्तर्राष्ट्रीय आपराधिक न्यायालय, जैसा कि हम वर्तमान में समझते हैं, उसी का परिणाम है”। टीका कीजिए और इसके क्षेत्राधिकार तथा वादों की स्वीकार्यता का वर्णन कीजिए।

7. Critically examine the human rights approach against various right available to the accused provided under International Criminal Law.

अन्तर्राष्ट्रीय आपराधिक विधि के अन्तर्गत प्रदत्त अभियुक्त को उपलब्ध विभिन्न अधिकारों के प्रति मानवाधिकार दृष्टिकोण का विश्लेषणात्मक परीक्षण कीजिए।

युद्ध अपराध विधि में बचाव की विवेचना अनेक वर्षों तक ‘वरिष्ठ का समादेश’ के बचाव पर ही पूर्णतः आधारित रही, लेकिन हाल के वर्षों में यह अन्य आधारों को, आपराधिक उत्तरदायित्व को निराकृत करने के लिए, अपने में समाहित कर लिया है।”

उपरोक्त कथन के आलोक में अन्तर्राष्ट्रीय आपराधिक विधि में उपलब्ध विभिन्न बचावों की विवेचना कीजिए।

3. “War crimes are such hostile or other acts of soldiers or other individuals as may be punished by the enemy on capture of the offenders”. (Prof. Openhiem)

Discuss. How far do you agree with the view that after the world-wars, the concept of war criminals has re-a-changed ?

“युद्ध अपराध सैनिकों या अन्य व्यक्तियों द्वारा किये गये ऐसे शत्रुतापूर्ण या तत्समान कार्य हैं, जिन्हें पकड़ने पर शत्रु द्वारा दण्डित किया जा सकता है।”

- (प्रो० ओपेन हाइम)

विवेचना कीजिए। आप इस अभिमत से कहाँ तक सहमत हैं कि विश्वयुद्ध के पश्चात् युद्ध अपराधियों की अवधारणा में व्यापक परिवर्तन आ गया है ?

4. "Genocide is the deliberate destruction in whole or in part, by a government or its agents of a racial sexual, religious, tribal or political minority. It can involve not only mass murder, but also starvation, forced deportation, and political economic and biological subjugation." Discuss the statement. Do you agree with the view that international community has shown a serious concern over this international crime by adopting different conventions ? Critically examine the success of different international conventions.

“नरसंहार राज्य अथवा इसके अभिकर्ता द्वारा किसी जातीय, लैंगिक, धार्मिक, वंशीय या राजनीतिक अल्पसंख्यकों का समूल अथवा अंशतः सचेष्ट कारित विनाश है। यह केवल

सामूहिक हत्या को सम्मिलित नहीं करता है, वरन् क्षुब्ध आग्रस्त करने, बलात् निर्वासन और राजनैतिक, आर्थिक एवं दैहिक पराधीनता को भी सम्मिलित करता है।” विवेचना कीजिए। क्या आप इस मत से सहमत हैं कि अन्तर्राष्ट्रीय समुदाय द्वारा इस अन्तर्राष्ट्रीय अपराध के प्रति विभिन्न अभिसमयों को स्वीकार कर गम्भीर सरोकार दर्शित किया है ? विभिन्न अन्तर्राष्ट्रीय अभिसमयों की सफलता का आलोचनात्मक परीक्षण कीजिए।

5. Write a critical essay on international terrorism.

अन्तर्राष्ट्रीय आतंकवाद पर आलोचनात्मक निबंध लिखिए।

6. " The concept of an International criminal court can be traced in some lead of late 19<sup>th</sup> century, perhaps more than any other period in history; the last 20 years have seen momentous progress in creating the means to bring justice for those responsible for

- (b) Difference between good offices and mediation.

सदाचार एवं मध्यस्थता के मध्य अन्तर।

- (c) Access to the ICJ

अन्तर्राष्ट्रीय न्यायालय तक पहुँच

**L/Sem II/159**

**LL.M. (One Year) (Semester II)  
Examination, 2014-15**

**Law**

**Optional Papers : 1. International Law Group  
Paper : International Dispute Settlement**

**Time : Three Hours**

**Full Marks : 100**

*(Write your Roll No. at the top immediately on the receipt of this question paper)*

**Note:** Answer any **Four** questions. **All** questions carry equal marks.

किन्हीं **चार** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। **सभी** प्रश्नों के अंक समान हैं।

- 1.** There is the close resemblance between mediation and conciliation as procedures for settlement of international disputes. Discuss.  
अन्तर्राष्ट्रीय विवादों के निपटारों की प्रक्रियाओं के रूप में मध्यस्थता एवं सुलह के मध्य बहुत अधिक समानता है। विवेचना कीजिए।

2. Make a critical assessment of the role of the Security Council in respect of pacific settlement of disputes.

विवादों के शांतिपूर्ण निपटारों के सम्बन्ध में सुरक्षा परिषद की भूमिका का आलोचनात्मक मूल्यांकन कीजिए।

3. Arbitration developed from a combination of negotiation and mediation. Discuss and also give a brief historical account of arbitration as process of settlement of international disputes.

माध्यस्थम् (विवाचन) का विकास वार्ता एवं मध्यस्थता के सम्मिश्रण से हुआ है। विवेचना कीजिए एवं अन्तर्राष्ट्रीय विवादों के निपटारे की प्रक्रिया रूप में माध्यस्थम् के विकास का संक्षिप्त ऐतिहासिक विवरण दीजिए।

4. Permanent Court of Arbitration is neither permanent nor it is a court. Comment.

माध्यस्थम् का स्थायी न्यायालय न तो स्थायी है और न ही यह न्यायालय है। टिप्पणी कीजिए।

5. "While the consent of the parties confers jurisdiction on the court-[ICJ] neither the statute nor the Rules require that this consent should be expressed in any particular form." Discuss.

“जहाँ पक्षकारों की सहमति से दी न्यायालय (अन्तर्राष्ट्रीय न्यायालय) को क्षेत्राधिकार प्राप्त होता है, न तो संविधि और न ही नियम पर आवश्यक बनाते हैं कि सहमति किसी विशेष प्रारूप में व्यक्त की जाय।” विवेचना कीजिए।

6. Discuss the principle of 'reciprocity' in relation to the jurisdiction of the ICJ.

अन्तर्राष्ट्रीय न्यायालय के क्षेत्राधिकार के सम्बन्ध में ‘पारस्परिकता’ सिद्धान्त की विवेचना कीजिए।

7. "Conciliation ..... is a process of formulating proposals of settlement after an investigation of the facts....." Discuss.

“तथ्यों के अन्वेषण के उपरान्त निपटारे के प्रस्तावों के सूत्रीकरण की प्रक्रिया को ही सुलह कहते हैं।” विवेचना कीजिए।

8. Write critical notes on any **two** of the following:  
निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** पर आलोचनात्मक टिप्पणी लिखिए :

(a) Advisory Jurisdiction of the ICJ

अन्तर्राष्ट्रीय न्यायालय का परामर्शदायी क्षेत्राधिकार



(b) Covenant of the League of Nations.

राष्ट्र संघ की प्रसंविदा

(c) Veto Power

निषेधाधिकार की शक्ति

**L/Sem II/158**

**LL.M. (One Year) (Semester II)  
Examination, 2014-15**

**Law**

**(Optional Papers :1 International Law Group)**

**Paper : International Organization**

**Time : Three Hours**

**Full Marks : 100**

*(Write your Roll No. at the top immediately on the receipt of this question paper)*

**Note:** Answer any **four** questions. **All** questions carry equal marks.

किन्हीं **चार** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। **सभी** प्रश्नों के अंक समान हैं।

**1.** What do you mean by International Organization ? Discuss the function and powers of the principal organs of the League of Nations.

अन्तर्राष्ट्रीय संगठन से आपका क्या तात्पर्य है ? राष्ट्र संघ के अंगों के प्रमुख कार्य एवं शक्तियों की विवेचना कीजिए।

**2.** Critically examine and Write an essay on the International Labour Organization.

अन्तर्राष्ट्रीय श्रम संगठन पर आलोचनात्मक परीक्षण एवं एक आलोचनात्मक निबन्ध लिखिए।

- 3.** Discuss the Composition, powers and functions of the General Assembly and point out its role in Maintenance of international peace and security.

महासभा के गठन, कार्य एवं शक्तियों की विवेचना कीजिए तथा अन्तर्राष्ट्रीय शान्ति एवं सुरक्षा बनाए रखने में इसकी भूमिका को स्पष्ट कीजिए।

- 4.** Write an essay on the structure and functions of the Security Council.

सुरक्षा परिषद की संरचना एवं कार्यों पर एक निबन्ध लिखिए।

- 5.** Discuss the achievements of the Permanent Court of International Justice in the field of human welfare.

मानव कल्याण के क्षेत्र में स्थायी अन्तर्राष्ट्रीय न्यायालय की प्रमुख उपलब्धियों की विवेचना कीजिए।

- 6.** Whether International Organization possesses legal personality ? Examine the status of the United Nations in the light of the advisory opinion of the International court of Justice.

क्या अन्तर्राष्ट्रीय संगठन विधिक व्यक्तित्व धारण करते हैं? संयुक्त राष्ट्र संघ की स्थिति का अन्तर्राष्ट्रीय न्यायालय परामर्शकारी निर्णय के आलोक में परीक्षण कीजिए।

- 7.** Discuss the composition, powers and functions of the International Court of Justice. Also discuss the role of the International Court of Justice in the development of International Law.

अन्तर्राष्ट्रीय न्यायालय के गठन, शक्तियों और कार्यों की विवेचना कीजिए। अन्तर्राष्ट्रीय विधि के विकास में अन्तर्राष्ट्रीय न्यायालय की भूमिका की विवेचना कीजिए।

- 8.** Write critical notes on any **two** of the following :

निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** पर आलोचनात्मक टिप्पणी लिखिये :

(a) Secretary General of UN.

संयुक्त राष्ट्र संघ का महासचिव

(b) Rights of Prisoners

कैदियों के अधिकार

(c) Constitutionality of Death sentence

मृत्यु दण्ड की संवैधानिकता

**L/Sem II/160**

**LL.M. (One Year) (Semester II)  
Examination, 2014-15**

**Law**

**(Optional Papers : 5 Criminal Law Group)**

**Penology and Victimology**

**Time : Three Hours**

**Full Marks : 100**

*(Write your Roll No. at the top immediately on the receipt of this question paper)*

**Note:** Answer any **four** questions. **All** questions carry equal marks.

किन्हीं **चार** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। **सभी** प्रश्नों के अंक समान हैं।

1. While defining punishment and describing salient features of punishment, discuss the relationship between criminology and penology.  
दण्ड को परिभाषित करते हुये और दण्ड के चारित्रिक विशेषताओं का वर्णन करते हुये अपराधशास्त्र एवं दण्डशास्त्र के बीच सम्बन्ध की विवेचना कीजिए।
2. There are the various theories and justifications of punishment. Critically evaluate any one theory of punishment with suitable case law.

दण्ड के विभिन्न सिद्धान्त और औचित्य प्रतिपादन है। उपयुक्त वाद विनिश्चयों के माध्यम से किसी एक सिद्धान्त का आलोचनात्मक मूल्यांकन कीजिए।

3. "The recent judgments of supreme Court of India on commutation of Death sentence into life imprisonment is implied more towards de-facto abolition of Death sentence ." Write a critical note on Death sentence with reference to recent judicial interventions.

भारत के सर्वोच्च न्यायालय द्वारा मृत्युदण्ड को आजीवन कारावास में तब्दील करने वाले हाल के निर्णयों द्वारा मृत्यु दण्ड के तथ्यतः उन्मूलन कराने की ओर एक विवक्षित कदम है।" हाल के न्यायिक हस्तक्षेप के सन्दर्भ के साथ मृत्यु दण्ड पर एक आलोचनात्मक लेख लिखिये।

4. Discuss in Detail the problems and prospects of jail administration in India.

भारत में जेल प्रशासन की समस्याओं एवं सम्भावनाओं की विस्तार से विवेचना कीजिए।

5. Term "victimology" is so wide to include not only the sufferers of crime but also the perpetrators. In the light of this statement discuss victimology in detail.

‘पीड़ितशास्त्र’ शब्द इतना विस्तृत है कि इसमें न केवल अपराध के पीड़ितों को वरन अपराधकर्ताओं को भी समाहित किया गया है।” इस कथन के आलोक में पीड़ित शास्त्र की विस्तार से विवेचना कीजिये।

6. What do you mean by probation of offenders ? How probation is different from parole ? Discuss.

अपराधियों की परिवीक्षा से आप क्या समझते हैं ? परिवीक्षा पेरोल से किस प्रकार भिन्न है ? विवेचना कीजिए।

7. With the help of relevant case laws discuss the compensatory theory of punishment.

उपयुक्त वाद-विनिश्चयों के माध्यम से दण्ड के क्षतिपूर्तिकारी सिद्धान्त की विवेचना कीजिये।

8. Write critical notes on any **two** of the following :  
निम्न में से किन्हीं **दो** पर आलोचनात्मक टिप्पणी लिखिये :  
(a) Forms of punishment

दण्ड के स्वरूप

**L/Sem II/162**

**8.** Write critical notes on any **two** of the following.

निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** पर आलोचनात्मक टिप्पणी लिखिए।

(a) Lokpal

लोकपाल

(b) Whistle blower protection Act.

व्हीसिल ब्लोअर संरक्षण अधिनियम

(c) Corruption

भ्रष्टाचार

**LL.M. (One Year) (Semester II)  
Examination, 2014-15**

**LAW**

**(Optional Papers : 5. Criminal Law  
Group)**

**Paper : Prevention of Corruption**

**Time : Three Hours**

**Full Marks : 100**

*(Write your Roll No. at the top immediately on the receipt of this question paper)*

**Note:** Answer any **four** question. All question carry equal marks.

किन्हीं **चार** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। प्रत्येक प्रश्नों के अंक समान हैं।

**1.** Discuss the various causes of corruption and remedies in detail.

भ्रष्टाचार के विभिन्न कारणों एवं उपचारों की विस्तार से विवेचना कीजिए।

**2.** Discuss the investigation and trial procedure of corruption cases as provided under the Prevention of corruption Act, 1988. Do you think this Act has been effective to curb corruption ? Discuss.

भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम, 1988 के अन्तर्गत प्रावधानित भ्रष्टाचार के मामलों के अन्वेषण एवं विचारण की प्रक्रिया की विवेचना कीजिए। क्या आप समझते हैं कि यह अधिनियम भ्रष्टाचार समाप्त करने में प्रभावी रहा है ? विवेचना कीजिए।

- 3.** What do you understand by Money Laundering? What kinds of measures have been developed at national and International level for the prevention of money laundering. Discuss in detail.

मनी लान्ड्रिंग से आप क्या समझते हैं ? राष्ट्रीय एवं अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर मनी लान्ड्रिंग की रोकथाम के लिए क्या मानक विकसित किये गये हैं ? विस्तार से विवेचना कीजिए।

- 4.** In the light of Judicial pronouncement discuss the role of various non governmental organization (NGOs) in combating corruption. न्यायिक निर्णयों के प्रकाश में विभिन्न गैरसरकारी संस्थाओं की भ्रष्टाचार से लड़ने में भूमिका की विवेचना कीजिए।

- 5.** Discuss the role of Central Vigilance Commission (CVC) for the prevention of corruption Do you think CVC has been effective in combating corruption ? Discuss in detail.

भ्रष्टाचार के रोकथाम के लिए केन्द्रीय सतर्कता आयोग (CVC) की भूमिका की विवेचना कीजिए। क्या आप समझते हैं कि भ्रष्टाचार से लड़ने में (CVC) प्रभावी रहा है ? विस्तार से विवेचना कीजिए।

- 6.** "Every citizen of India has right to get information about public funds whether it is utilized properly or not." In the light of this statement discuss the role of the Right to Information Act 2005 in combating corruption.

“भारत के प्रत्येक नागरिक को लोक निधि के विषय में सूचना प्राप्त करने का अधिकार है कि निधि उपयोग उचित तरीके से किया गया है या नहीं”

इस कथन के आलोक में सूचना अधिकार अधिनियम 2005 की भूमिका का भ्रष्टाचार से लड़ने के सन्दर्भ में विवेचना कीजिए।

- 7.** Discuss the role of United Nations organization with regard to prevention of corruption.

भ्रष्टाचार की रोकथाम के विरुद्ध संयुक्त राष्ट्र संघ की भूमिका की विवेचना कीजिए।